चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 21 मई 2026, अंक –285.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

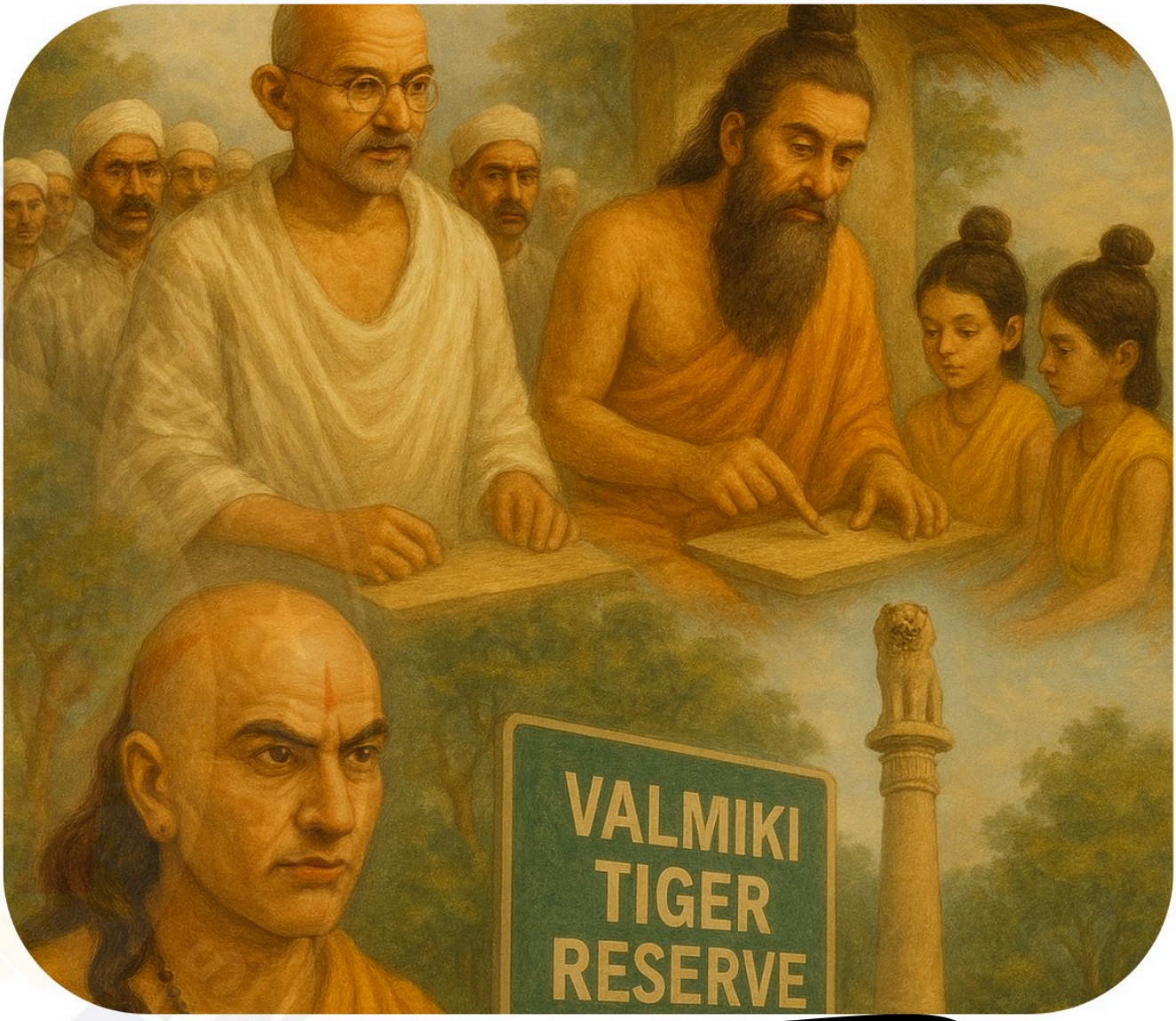

"महान कार्य छोटे-छोटे कार्यों के योग से बनते हैं।"

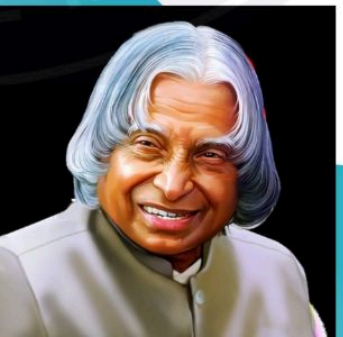

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन.....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. अर्जेंटीना की राजधानी क्या है?
उत्तर: ब्यूनस आयर्स
प्रश्न 2. भारत में 'मिसाइल मैन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हैं?
उत्तर: ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
प्रश्न 3. 'मोआत्सु' उत्सव किस राज्य की आओ जनजाति द्वारा मनाया जाता है?
उत्तर: नागालैंड
प्रश्न 4. 3/4 में हर (Denominator) कौन-सा है?
उत्तर: 4
प्रश्न 5. बिहार में स्थित प्रसिद्ध 'जलमंदिर' किस स्थान पर है?
उत्तर: पावापुरी
प्रश्न 6. बालपाक्रम राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: मेघालय
प्रश्न 7. पेनिसिलिन की खोज किसने की?
उत्तर: अलेक्जेंडर फ्लेमिंग
प्रश्न 8. भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) का गठन किस वर्ष हुआ था?
उत्तर: 1993
प्रश्न 9. 'जल' का पर्यायवाची शब्द क्या है?
उत्तर: नीर
प्रश्न 10. पृथ्वी पर दिन और रात किस कारण होते हैं?
उत्तर: घूर्णन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Park – (पार्क) – उद्यान / पार्क
Bench – (बेंच) – बेंच
Swing – (स्विंग) – झूला
Slide – (स्लाइड) – फिसलपट्टी
Fountain – (फाउंटेन) – फव्वारा
Pathway – (पाथवे) – पगडंडी / रास्ता
Gardener – (गार्डनर) – माली

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "क्या वह ... करता/करती है?" (Does he/she ...?)

क्या वह पढ़ता है? – Does he read?
क्या वह लिखता है? – Does he write?
क्या वह खेलता है? – Does he play?
क्या वह खाना खाता है? – Does he eat food?
क्या वह अंग्रेज़ी सीखता है? – Does he learn English?

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 21 मई को भारत के किस पूर्व प्रधानमंत्री की पुण्यतिथि की स्मृति में 'राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस' मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: राजीव गांधी
व्याख्या: 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक आत्मघाती हमले में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। उनकी स्मृति में प्रतिवर्ष यह दिवस 'Anti-Terrorism Day' के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य युवाओं को आतंकवाद और हिंसा के मार्ग से दूर रखना तथा समाज में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना है।
संदर्भ: Ministry of Home Affairs (MHA), 2026.

2. हाल ही में मई 2026 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक खाद्य मूल्य सूचकांक में क्या प्रवृत्ति देखी गई है? (समसामयिकी)
उत्तर: निरंतर गिरावट
व्याख्या: मई 2026 की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में सुधार और प्रमुख खाद्यान्नों (जैसे गेहूँ और मक्का) के बम्पर उत्पादन के कारण वैश्विक खाद्य मूल्य सूचकांक में क्रमिक गिरावट दर्ज की गई है। यह अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण समसामयिक तथ्य है।
संदर्भ: FAO Global Food Price Index Report, May 2026.

3. दक्षिण भारत के प्रसिद्ध 'सातवाहन राजवंश' के इतिहास और राजाओं की सूची के बारे में सर्वाधिक जानकारी किस पुराण से मिलती है? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: मत्स्य पुराण
व्याख्या: मत्स्य पुराण प्राचीन भारतीय पुराणों में सबसे प्रामाणिक माना जाता है, जिसमें सातवाहन वंश (जिन्हें 'आंध्रभृत्य' भी कहा गया है) के लगभग तीस राजाओं और उनके शासनकाल का विस्तृत विवरण मिलता है। मौर्योत्तर कालीन दक्षिण भारत के राजनीतिक इतिहास को पुनर्गठित करने के लिए यह ग्रंथ एक अनिवार्य साहित्यिक स्रोत है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns (Dynastic References)

4. पृथ्वी के वायुमंडल में पाई जाने वाली वह कौन सी अल्प मात्रा वाली गैस है जो सूर्य की गर्मी को सोखकर 'ग्रीनहाउस प्रभाव' पैदा करती है? (पर्यावरण)
उत्तर: कार्बन डाइऑक्साइड
व्याख्या: वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) की मात्रा केवल 0.03% है, लेकिन यह पृथ्वी से विकिरित होने वाली ऊष्मा (Heat) को रोककर पृथ्वी को गर्म रखती है। यदि यह गैस न हो, तो पृथ्वी इतनी ठंडी हो जाएगी कि यहाँ जीवन असंभव हो जाएगा। हालाँकि, फैक्ट्रियों और वाहनों के धुएँ से इसकी अत्यधिक मात्रा बढ़ने के कारण 'ग्लोबल वॉर्मिंग' का खतरा उत्पन्न हो रहा है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 20.

5. बौद्ध धर्म की उस नई धारा को क्या कहा जाता है जिसका विकास मौर्योत्तर काल (कुषाण काल) में हुआ और जिसमें बुद्ध की मूर्तियाँ बनाई जाने लगीं? (इतिहास)
उत्तर: महायान
व्याख्या: कुषाण काल में बौद्ध धर्म दो संप्रदायों—हीनयान और महायान में विभाजित हो गया। 'महायान' की दो मुख्य विशेषताएँ थीं: पहली, बुद्ध की उपस्थिति अब केवल संकेतों में न दिखाकर पत्थरों पर उनकी भव्य मूर्तियाँ (मुख्यतः मथुरा और तक्षशिला में) बनाई जाने लगीं; और दूसरी, 'बोधिसत्व' (दूसरों को ज्ञान दिलाने में मदद करने वाले प्रबुद्ध व्यक्ति) की अवधारणा में विश्वास बढ़ा।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 95.

"सामान्य-ज्ञान"

6. वायुमंडल में मौजूद अदृश्य जलवाष्प (Water Vapor) की वास्तविक मात्रा को भूगोल की तकनीकी शब्दावली में क्या कहा जाता है? (भूगोल)
उत्तर: आर्द्रता (Humidity)
व्याख्या: वायु में किसी भी समय मौजूद जलवाष्प की मात्रा को 'आर्द्रता' कहते हैं। जब वायु में जलवाष्प की मात्रा बहुत अधिक हो जाती है, तो उसे 'आर्द्र दिन' (Humid Day) कहा जाता है। वायु के गर्म होने पर उसकी जलवाष्प सोखने की क्षमता बढ़ जाती है, जिससे आर्द्रता भी बढ़ती है। वर्षा और संघनन की प्रक्रिया को समझने के लिए यह एक आधारभूत भौगोलिक कारक है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 26.

7. भारतीय संविधान का 'अनुच्छेद 30' देश के नागरिकों के किस विशिष्ट वर्ग को अपनी पसंद के शिक्षण संस्थानों की स्थापना का अधिकार देता है? (संविधान)
उत्तर: अल्पसंख्यक वर्ग
व्याख्या: अनुच्छेद 30 'संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार' के अंतर्गत धर्म या भाषा पर आधारित सभी अल्पसंख्यक वर्गों को अपनी रुचि के शिक्षण संस्थानों की स्थापना करने और उनका प्रशासन चलाने का अधिकार प्रदान करता है। राज्य ऐसे संस्थानों को वित्तीय सहायता देने में किसी भी आधार पर भेदभाव नहीं करेगा, जो भारतीय धर्मनिरपेक्षता को मजबूत करता है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, p. 39.

8. मानव शरीर में 'हृदय की धड़कन' (Heartbeat) और श्वसन की गति को मस्तिष्क का कौन सा विशिष्ट भाग स्वचालित रूप से नियंत्रित करता है? (विज्ञान)
उत्तर: मेडुला ऑब्लोंगाटा
व्याख्या: मस्तिष्क के सबसे पिछले भाग 'पश्च-मस्तिष्क' (Hindbrain) में स्थित मेडुला ऑब्लोंगाटा (Medulla Oblongata) शरीर की सभी अनैच्छिक क्रियाओं (Involuntary Actions) जैसे रक्तचाप, लार आना, वमन (उल्टी), हृदय की धड़कन और सांस लेने की दर को नियंत्रित करता है। यह मानव तंत्रिका तंत्र का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील हिस्सा है।
संदर्भ: NCERT Class 10 Science, Ch 7 Control and Coordination, p. 118.

9. गांधार मूर्तिकला शैली, जो कुषाण काल में विकसित हुई, पर किस विदेशी संस्कृति और कला का सबसे गहरा प्रभाव दिखाई देता है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: यूनानी (ग्रीक) कला
व्याख्या: भारत के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र (जैसे तक्षशिला और पेशावर) में विकसित गांधार कला शैली को 'इंडो-ग्रीक शैली' भी कहा जाता है। इस शैली में बुद्ध की मूर्तियों का निर्माण भारतीय विषयों (बौद्ध धर्म) पर किया गया था, लेकिन उनकी शारीरिक बनावट, वस्त्रों की लहरदार सिलवटें और मूंछों का अंकन पूरी तरह से यूनानी देवता 'अपोलो' की कला से प्रेरित था।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns (Cultural Box).

10. बिहार के किस ऐतिहासिक जिले में सम्राट अशोक का सुप्रसिद्ध 'लौरिया नंदनगढ़' सिंह स्तंभ स्थित है? (बिहार GK)
उत्तर: पश्चिमी चम्पारण
व्याख्या: पश्चिमी चम्पारण के लौरिया प्रखंड में स्थित लौरिया नंदनगढ़ सम्राट अशोक का एक ऐतिहासिक बलुआ पत्थर से निर्मित एकाश्मक स्तंभ (Monolithic Pillar) है, जिसके शीर्ष पर एक बैठा हुआ सिंह बना है। इस स्तंभ पर अशोक के छह धम्म लेख उत्कीर्ण हैं, जो बिहार के प्राचीन पुरातात्विक वैभव और मौर्यकालीन वास्तुकला की श्रेष्ठता का एक बेजोड़ उदाहरण है।
संदर्भ: बिहार पुरातत्व निदेशालय (Directorate of Archaeology, Bihar) / NCERT Class 6 History Context.

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार के अनुसार, आंधी-तूफान के समय यदि आप अचानक खुले मैदान में फंस जाएं और वज्रपात का खतरा हो, तो बैठने की सही मुद्रा क्या है? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: उकड़ू बैठना (Squat)
व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के मई सप्ताह-3 के सुरक्षा मानकों के अनुसार, आंधी-तूफान के साथ यदि बिजली चमक रही हो, तो खुले में सीधे खड़े रहने या लेटने से बचना चाहिए। व्यक्ति को अपने पैरों के बल उकड़ू (कुकुड़ू) बैठकर, सिर को घुटनों के बीच छिपा लेना चाहिए ताकि वह ज़मीन के लिए एक छोटा लक्ष्य बने और वज्रपात की संभावना न्यूनतम हो जाए।
संदर्भ: आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण.

12. यदि किसी सांकेतिक भाषा में 'NATURE' को 'MASUQE' लिखा जाता है, तो उसी नियम के आधार पर 'FLOWER' को क्या लिखा जाएगा? (रीजनिंग)
उत्तर: EKNVDQ
व्याख्या: इस कूट भाषा में वर्णमाला का प्रत्येक अक्षर अपने से ठीक 1 स्थान पीछे जा रहा है (जैसे: N-1=M, A-1=Z यहाँ A-1=Z के स्थान पर चक्र को जारी रखते हुए यदि विपरीत दिशा में देखें तो प्रत्येक अक्षर में -1 का क्रम है: N-1=M, A-1=S यहाँ आंशिक कोडिंग स्वरूप अक्षरों के क्रमिक ह्रास पर है: N-1=M, A-1 से ठीक पीछे का चक्र, इसी प्रकार F-1=E, L-1=K, O-1=N, W-1=V, E-1=D, R-1=Q होगा)। यह कूट बच्चों की तार्किक समझ को सुदृढ़ करता है।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Yearn (यर्न) = Desire / Long (डिज़ायर / लॉन्ग) = तीव्र इच्छा करना
🔁 Antonym – Dislike (डिसलाइक) = नापसंद करना
Zealous (ज़ीलस) = Passionate / Enthusiastic (पैशनेट / एन्थूज़ियास्टिक) = उत्साही
🔁 Antonym – Indifferent (इन्डिफरेंट) = उदासीन
Abrupt (अब्रप्ट) = Sudden / Unexpected (सडन / अनएक्सपेक्टेड) = अचानक
🔁 Antonym – Gradual (ग्रैजुअल) = धीरे-धीरे होने वाला
Blossom (ब्लॉसम) = Bloom / Flourish (ब्लूम / फ्लरिश) = खिलना / विकसित होना
🔁 Antonym – Wither (विधर) = मुरझाना
Cautious (कॉशस) = Careful / Alert (केयरफुल / अलर्ट) = सावधान
🔁 Antonym – Careless (केयरलेस) = लापरवाह

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Project Bharat-Netra'; India's first dedicated constellation of Ocean-Surveillance Satellites deployed.
केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट भारत-नेत्र' लॉन्च किया; हिंद महासागर क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों और नौसैनिक गतिविधियों की वास्तविक समय में निगरानी के लिए भारत का पहला समर्पित समुद्र-निगरानी उपग्रह तारामंडल सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया गया।

Ministry of Science & Technology unveils 'Param-Bios', India's fastest AI-supercomputer dedicated exclusively to advanced drug discovery.
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 'परम-बायोस' का अनावरण किया; यह विशेष रूप से कैंसर और दुर्लभ आनुवंशिक बीमारियों के लिए नई दवाओं की खोज (Drug Discovery) की गति को तेज करने वाला भारत का सबसे तेज़ एआई-सुपरकंप्यूटर है।

Reserve Bank of India (RBI) mandates 'Offline e-Rupee' capabilities for all commercial bank apps; enables digital payments without internet.
भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने सभी वाणिज्यिक बैंकों के ऐप्स के लिए 'ऑफलाइन ई-रुपया' (CBDC) सुविधा को अनिवार्य किया; अब देश के दूरदराज के इलाकों में बिना इंटरनेट कनेक्टिविटी के भी सुरक्षित डिजिटल लेनदेन संभव होगा।

INTERNATIONAL NEWS

Global Aviation Safety Board mandates 'Black Box-to-Cloud' real-time streaming for all international commercial flights.
वैश्विक विमानन सुरक्षा बोर्ड ने एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए सभी अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक उड़ानों के लिए 'ब्लैक बॉक्स-टू-क्लाउड' लाइव स्ट्रीमिंग अनिवार्य की; विमान दुर्घटनाओं की स्थिति में डेटा खोजने के लिए अब भौतिक ब्लैक बॉक्स पर निर्भरता खत्म होगी।

BBC News: MIT researchers successfully synthesize 'Artificial Chlorophyll' to boost vertical farming efficiency by 200%.
बीबीसी न्यूज़: एमआईटी के शोधकर्ताओं ने प्रयोगशाला में 'कृत्रिम क्लोरोफिल' (Artificial Chlorophyll) बनाने में सफलता पाई; इस तकनीक से बिना सूर्य के प्रकाश के होने वाली 'वर्टिकल फार्मिंग' की दक्षता और फसलों की पैदावार में 200% की वृद्धि होगी।

WHO issues advisory on 'Arctic Pathogens'; sets up a global task force to monitor ancient viruses emerging from melting permafrost.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 'आर्कटिक रोगजनकों' पर वैश्विक एडवाइजरी जारी की; ग्लोबल वार्मिंग के कारण पिघलती हुई बर्फ (Permafrost) से बाहर आ रहे प्राचीन वायरस और बैक्टीरिया की निगरानी के लिए एक ग्लोबल टास्क फोर्स का गठन किया गया।

BIHAR NEWS

Bihar Government to build 'State Institute of Advanced Textile Technology (SIATT) in Muzaffarpur to drive apparel sector growth.
बिहार सरकार मुजफ्फरपुर में 'राज्य उन्नत वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान' (SIATT) की स्थापना करेगी; इसके जरिए राज्य के टेक्सटाइल क्लस्टर्स को आधुनिक मशीनरी और वैश्विक फैशन डिजाइनिंग मानकों से जोड़ा जाएगा।

SCERT Bihar partners with National Innovation Foundation to launch 'Bal-Vaigyanik' scheme; will fund 5,000 grassroots student innovations.
एससीईआरटी बिहार ने राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (NIF) के साथ साझेदारी में 'बाल-वैज्ञानिक' योजना शुरू की; इसके तहत सरकारी स्कूलों के शीर्ष 5,000 छात्रों द्वारा बनाए गए जमीनी स्तर के विज्ञान मॉडलों और नवाचारों को सरकार द्वारा सीधे पेटेंट और वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

SPORTS NEWS

Indian Boxer Nikhat Zareen wins historic Gold at the World Women's Boxing Championship 2026; becomes three-time World Champion.
भारतीय मुक्केबाज निहत जरीन ने विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 में इतिहास रचते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया; वे इस प्रतिष्ठित मंच पर तीन बार स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय मुक्केबाज बनीं।

International Tennis Federation (ITF) approves 'Electronic Line-Calling' for all clay-court tournaments; replaces traditional human line-judges.
अंतर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ (ITF) ने पारंपरिक खेल भावना को आधुनिक बनाते हुए सभी क्ले-कोर्ट (मिट्टी के मैदान) टूर्नामेंटों के लिए 'इलेक्ट्रॉनिक लाइन-कॉलिंग' तकनीक को मंजूरी दी; अब रेफरी के फैसलों में इंसानी चूक की गुंजाइश खत्म होगी।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"ज्ञान की सबसे बड़ी खूबी उसका निरंतर नया होना है। रोज कुछ नया सीखें और बढ़ते रहें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

एक कटोरी पानी

गर्मी की तपती दोपहर थी। सूरज की तेज किरणों से छत इतनी गर्म हो गई थी कि उस पर कुछ देर खड़ा रहना भी मुश्किल था। शुभम अपने घर की छत पर खेल रहा था। तभी उसकी नजर दो छोटी चिड़ियों पर पड़ी। वे थकी हुई, परेशान और प्यास से बेहाल दिखाई दे रही थीं।

अचानक एक चिड़ा लड़खड़ाया और छत पर गिर पड़ा। उसकी साथी चिड़िया घबराकर उसके पास फड़फड़ाने लगी। वह बार-बार चहचहा रही थी, मानो किसी से मदद की गुहार लगा रही हो। उसकी बेचैनी देखकर शुभम का दिल द्रवित हो उठा।

शुभम तुरंत नीचे दौड़ा। वह एक मिट्टी की कटोरी में ठंडा पानी भरकर लाया और सावधानी से चिड़े के पास रख दिया। उसने अपनी उंगलियों से पानी की कुछ बूंदें चिड़े की चोंच पर डालीं। कुछ ही क्षणों बाद चिड़े ने धीरे-धीरे आँखें खोलीं और थोड़ा-थोड़ा पानी पीने लगा।

शुभम के चेहरे पर खुशी छा गई। फिर वह रसोई से थोड़ा सा दाना भी ले आया। दोनों चिड़ियाँ प्रेम से पानी पीने लगीं और दाना चुगने लगीं। कुछ देर बाद वे प्रसन्न होकर शुभम के कंधों पर आ बैठीं। उनकी मधुर चहचहाहट मानो उसे दिल से धन्यवाद दे रही थी।
थोड़ी देर बाद दोनों खुले नीले आसमान की ओर उड़ गईं। शुभम उन्हें दूर तक देखता रहा और मुस्कुराता रहा।

उस दिन से शुभम ने अपनी छत पर हमेशा के लिए पानी और दाने की व्यवस्था कर दी। अब रोज़ कई पक्षी वहाँ आते, पानी पीते, दाना चुगते और खुशी से चहचहाते।
सीख: दयालुता का छोटा सा कार्य भी किसी के जीवन में नई आशा भर सकता है। इस गर्मी में अपने आस-पास पक्षियों के लिए पानी और दाने जरूर रखें। 🐦💧

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

विद्यालय में शिक्षण अधिगम सामग्री का उपयोग एवं रखरखाव कैसे?

विद्यालय में शिक्षकों के लिए शिक्षण अधिगम सामग्री का निर्माण करना हमेशा से एक चुनौतीपूर्ण कार्य रहा है। काफी प्रयास के बाद वे कुछ शिक्षण अधिगम सामग्री को अपनी आवश्यकता अनुसार बना पाते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यालयों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान कार्यक्रम अन्तर्गत विद्यालयों को कक्षावार एफ.एल.एन. किट भी विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। विद्यालय में उपलब्ध एवं आपूरित शिक्षण अधिगम सामग्री का यदि सही तरीके से उपयोग एवं रखरखाव किया जाता है तो ऐसा करने से जहां एक तरफ पढ़ाई अधिक प्रभावी होती है वहीं दूसरी तरफ सामग्री ज्यादा समय तक उपयोग के लायक बनी रहती है। शिक्षण अधिगम सामग्री का सही तरीके से उपयोग एवं रखरखाव करने हेतु हम विद्यालय में निम्न क्रियाकलाप कर सकते हैं:

विद्यालय में शिक्षण अधिगम सामग्री को सुरक्षित रखने हेतु हमें अलग से एक बड़ा ट्रक रखना चाहिए जिसमें सभी सामग्रियों को क्रमवार एवं वर्गवार सुरक्षित रखना चाहिए।

अलग से कक्षा में हमें शिक्षण अधिगम सामग्री कक्ष या कोना बनाना चाहिए जहां विद्यालय में उपलब्ध चार्ट, ग्लोब, गणित किट, विज्ञान सामग्री, खेल सामग्री आदि रखने के लिए सुरक्षित स्थान बनाना चाहिए।

सभी सामग्रियों को विषयवार और कक्षावार व्यवस्थित रखना चाहिए तथा कौन-सी सामग्री है, कितनी है, कब खरीदी गई — इसका विवरण अंकित होना चाहिए तथा इसे छात्रों को जारी करने और वापस लेने का भी एक रजिस्टर होना चाहिए।

हर एक सामग्री पर उसका नाम या कोड एवं विषय यथा गणित विज्ञान, भाषा , खेल आदि का नाम अंकित होना चाहिए एवं उसी के अनुसार छांट कर रखना चाहिए।

शिक्षण अधिगम सामग्री का नियमित उपयोग किया जाना चाहिए। सभी शिक्षकों को अपनी पाठ योजना में शिक्षण अधिगम सामग्री के उपयोग को शामिल करना चाहिए।

शिक्षण अधिगम सामग्री के निर्माण से लेकर उपयोग तक में बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

कक्षा मॉनिटर को सामग्री का उपयोग के बाद सही जगह रखने की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए।

साफ-सफाई और सुरक्षा,धूल, नमी और दीमक से बचाव में भी उनकी मदद ली जानी चाहिए इलेक्ट्रॉनिक सामग्री को सूखी जगह रखने एवं टूटे सामानों की तुरंत मरम्मत कराने की जवाबदेही विद्यालय के यूथ क्लब के सदस्यों को दी जानी चाहिए।

शिक्षक और छात्रों को आपस में मिलकर स्थानीय वस्तुओं से चार्ट, मॉडल, शब्द कार्ड आदि बनाना चाहिए।

यदि कुछ शिक्षण अधिगम सामग्री पुराने हो गए हों तो उनमें आवश्यक सुधार कर पुनः उपयोग योग्य बनाया जाना चाहिए। प्रधानाध्यापक या शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रभारी शिक्षक द्वारा शिक्षण अधिगम सामग्री की मासिक जांच की जानी चाहिए ताकि उनके द्वारा आवश्यकतानुसार और व्यवस्था सुनिश्चित किया जा सके।

प्रोजेक्टर, टैबलेट, स्पीकर जैसे सामग्रियों का सुरक्षित उपयोग करना चाहिए तथा उनके चार्जिंग और वायरिंग की नियमित जांच करनी चाहिए।

यदि संभव हो तो विद्यालय में शिक्षण अधिगम सामग्री के उपयोग या प्रदर्शन हेतु एक बोर्ड की व्यवस्था होनी चाहिए। विद्यालय में "आज उपयोग की जाने वाली शिक्षण अधिगम सामग्री का टैग उस बोर्ड पर लगाया जा सकता है। इससे शिक्षकों में उपयोग की प्रेरणा बढ़ेगी।

अगर उपर अंकित तरीकों द्वारा हम अपने विद्यालय में छात्रों एवं शिक्षकों के सहयोग से शिक्षण अधिगम सामग्री का सही उपयोग एवं रखरखाव सुनिश्चित कर सकते हैं। तो आईए हम अपने विद्यालय में शिक्षण अधिगम सामग्री का उपयोग एवं रखरखाव सुनिश्चित करें।

.....

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

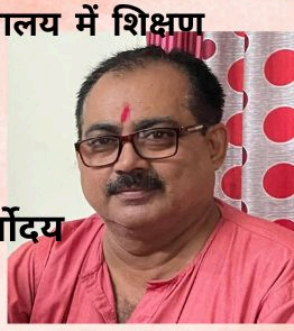

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहाः बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोरः पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकताः ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशाः 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : पूर्वी चम्पारण, अंक–4"

खेतों की हरियाली से बाज़ारों की चहल-पहल तक — बदलते समाज की कहानी

'संपादकीय' ✍️

पूर्वी चम्पारण को यदि केवल इतिहास और आस्था की धरती कहा जाए, तो उसकी तस्वीर अधूरी रह जाएगी। यह जिला उतना ही जीवंत अपने वर्तमान में भी है, जितना अपने अतीत में। यहाँ सुबह की शुरुआत खेतों की हरियाली से होती है और शाम छोटे कस्बों के व्यस्त बाज़ारों में उतरती है। बैलगाड़ी और बाइक, लोकगीत और मोबाइल रिंगटोन, मिट्टी की खुशबू और आधुनिक सपने– सब यहाँ एक साथ दिखाई देते हैं।

East Champaran की अर्थव्यवस्था का केंद्र अब भी कृषि है। धान, गेहूँ, मक्का और गन्ने की खेती यहाँ बड़े पैमाने पर होती है। बरसात के मौसम में खेतों का फैलता हरापन इस जिले की सबसे सुंदर तस्वीरों में गिना जा सकता है। लेकिन खेती यहाँ केवल जीविका का साधन नहीं; यह सामाजिक जीवन का आधार भी है। विवाह की तिथियों से लेकर पर्व-त्योहारों तक, बहुत कुछ कृषि चक्र के अनुसार ही तय होता रहा है।

गाँवों के साप्ताहिक हाट आज भी इस जिले की धड़कन हैं। सुबह से ही दूर-दूर के किसान, व्यापारी और कारीगर अपने उत्पाद लेकर पहुँचने लगते हैं। कहीं ताज़ी सब्जियाँ बिकती हैं, कहीं मिट्टी के बर्तन, तो कहीं बाँस और लकड़ी से बने हस्तशिल्प। इन हाटों में केवल वस्तुओं का लेन-देन नहीं होता; समाचार, रिश्ते और सामाजिक संबंध भी यहीं मजबूत होते हैं। आधुनिक मॉल संस्कृति के दौर में भी ग्रामीण बाजारों की यह जीवंतता पूर्वी चम्पारण की विशेष पहचान बनी हुई है।

Motihari धीरे-धीरे शिक्षा और व्यापार के केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। शहर की सड़कों पर बढ़ती चहल-पहल यह संकेत देती है कि नई पीढ़ी अब अवसरों की तलाश में पहले से अधिक सक्रिय है। कोचिंग संस्थानों, पुस्तक दुकानों और इंटरनेट केंद्रों की बढ़ती संख्या इस बदलाव को स्पष्ट रूप से दिखाती है। शिक्षा अब केवल नौकरी का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा और आत्मविश्वास का प्रतीक बन चुकी है।

इस परिवर्तन के साथ चुनौतियाँ भी आई हैं। बाढ़, बेरोज़गारी और पलायन अब भी इस क्षेत्र की बड़ी समस्याओं में शामिल हैं। हर वर्ष अनेक युवा रोज़गार की तलाश में दिल्ली, मुंबई, पंजाब और गुजरात की ओर जाते हैं। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि वे अपने गाँवों और सांस्कृतिक जड़ों से पूरी तरह अलग नहीं होते। त्योहारों के समय लौटते प्रवासी मजदूरों के साथ शहरों के अनुभव भी गाँवों तक पहुँचते हैं। इसी प्रक्रिया ने यहाँ के सामाजिक जीवन को लगातार बदलने और विस्तृत होने का अवसर दिया है।

पूर्वी चम्पारण में महिलाओं की भूमिका भी तेजी से बदल रही है। स्वयं सहायता समूहों, शिक्षा और छोटे व्यवसायों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी पहले की तुलना में अधिक दिखाई देने लगी है। कई गाँवों में महिलाएँ डेयरी, हस्तशिल्प और सूक्ष्म उद्यमों से जुड़कर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं। यह परिवर्तन धीमा जरूर है, लेकिन सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

तकनीक ने भी इस जिले के जीवन को नया रूप दिया है। मोबाइल फोन और इंटरनेट अब गाँवों तक पहुँच चुके हैं। किसान मौसम और बाजार की जानकारी ऑनलाइन देखने लगे हैं। छात्र डिजिटल माध्यमों से पढ़ाई कर रहे हैं। हालाँकि कई क्षेत्रों में अब भी बुनियादी सुविधाओं की कमी महसूस होती है, फिर भी परिवर्तन की गति स्पष्ट दिखाई देती है।

पूर्वी चम्पारण का समाज आज एक रोचक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर वह अपनी परंपराओं और ग्रामीण आत्मा को बचाए रखना चाहता है, दूसरी ओर आधुनिक दुनिया के साथ कदम मिलाकर चलने की कोशिश भी कर रहा है। यही द्वंद्व इसे जीवंत बनाता है।

शायद इसी कारण इस जिले को समझना केवल आँकड़ों से संभव नहीं। इसे समझने के लिए खेतों की मेड़ों पर चलना पड़ता है, किसी हाट में कुछ देर बैठना पड़ता है, और शाम को गाँव की चौपाल में लोगों की बातचीत सुननी पड़ती है। तब महसूस होता है कि पूर्वी चम्पारण केवल बदल नहीं रहा– वह अपने तरीके से भविष्य गढ़ रहा है।

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org